(v) REPORTED EVICTION OF BENGALIS FROM MIKIR HILLS IN ASSAM BY LOCAL REVENUES OFFICIALS.

SHRI SAMAR MUKHERJEE (Howrah): Sir, under rule 377, I wish to raise the following matter:

Thousands of Bengalis are being evicted from Mikir hills in Assam by the local revenue officials from their lands which were under their possession for the last 12 to 15 years and forced to leave Assam. Because of this, West Bengal is facing a heavy influx of evacuees from Assam. Thousands of such evacuees have reached Alipurduar railway station and are camping there. Moreover, thousands of evacuees are on the way to West Bengal.

The West Bengal State Government has already requested the Adviser to the Assam Governor to stop this forcible eviction of the Bengalis and stop this influx. But the Assam Government officials have not taken any step either to stop this eviction, or to stop this heavy influx.

Hence I would like to request the Prime Minister to look into this matter immediately and to take urgent steps to stop the eviction of Bengalis from Assam.

12.45 hrs.

RE. MOTIONS FOR ADJOURNMENT, CALLING ATTENTION, ETC. ETC.

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, मेरा 376 के अन्तर्गत व्यवस्था का प्रश्न है । कांग्रेस पार्टी के सदस्य भी इस तरह से सदन को नहीं चलने देना चाहते हैं, जिस तरह से आप चला रहे हैं । . . (**व्यवधान**) . . हिन्दुस्तान में जो घटनाएं घटती हैं, उन को आप लोक सभा में नहीं आने देना चाहते, यह नामुमकिन बात है ।

अध्यक्ष महोदय : बैठिये, अब तो काफ़ी हो गया है मेरे ख्याल से ।

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, क्यों बैठ जाऊं । मेरा व्यवस्था का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : आप की बात का जवाब दे रहा हूं । मैं खड़ा हुआ हूं, इसलिए आप बैठिये ।

एक माननीय सदस्य : पहले क्यों नहीं खड़े हुए । . . (**व्यवधान**) . . .

अध्यक्ष महोदय : इसलिए नही खड़ा हुआ कि जब तक हवा पूरी नही निकलती . . . .

श्री मनीराम बागड़ी : यह हवा की बात नहीं है । यह मज़ाक नहीं ह, यह लोक सभा है । . . . (**व्यवधान**) . .

अध्यक्ष महोदय : यह गलत बात है । हाऊस तरीके से चलेगा । आप बात करते जाएं और वे करते जाएं, दोनों लगातार बोलते जाएं, तो हाऊस कैसे चलेगा, जरा आप मुझे बता दें ।

श्री मनीराम बागड़ी : हाऊस चलेगा । आप हमारी बात सुनिये । . . . (**व्यवधान**) . . . .

अध्यक्ष महोदय : Please sit down गलत बात मत करिये । आप बैठते क्यों नही हैं । आपस में बात मत करिये । आप बैठते क्यों नहीं हैं । एक आचार-संहिता आप ने बना रखी है । . . (**व्यवधान**) . . . यह बात बिल्कुल ग़लत है । जिस तरह का व्यवहार हो रहा है यह बिल्कुल अभद्र लगता है । मैं सब की बात सुनने को तैयार हूं । मैंने इस हाऊस में 100 दफ़ा कहा है कि मैं सब की बात सुनने को तैयार हूं लेकिन इस का भी एक तरीका होता है । इस तरीके से आप करते हैं । थोड़ी-बहुत सोचने-विचारने की क्षमता रखते हैं । भगवान ने बुद्धि दी है, संयम दिया है और जिम्मेदारी दी है । क्या इस तरह की बात आप करेंगे । यह बहुत बुरा लगता है । मैं सब की बात सुनने को तैयार हूं लेकिन इस तरह से नहीं चलेगा । अगर किसी को कोई बात कहनी है, तो एक एक आदमी उठ कर अपनी बात कहे लेकिन इस तरह से व्यवधान नहीं डालना चाहिए । . . (**व्यवधान**) . . आप बैठिये, मैं खड़ा हुआ हूं । यहां पर सारे लीडर बैठे हुए हैं , बहुत बड़े बड़े दिग्गज बैठे हुए हैं, जिन्होंने सारा कुछ देखा है, सारा कुछ चलाया है । मैं उन से पूछता हूं कि इस किताब के सिवाय और कोई रास्ता है, जिस के अनुसार इस हाऊस को चलाया जाए । अगर कोई है तो उस की जानकारी मुझे दें । यहां जो मनमानी कर रखी है, उस से तो इस हाऊस का काम नहीं होने वाला है । इसलिए इस हाऊस में इस तरह की हालत क्यों पैदा करें । अगर करना ही है, तो बाहर करें । अगर हाऊस को चलाना है, तो तरीके से काम होना चाहिए । एक एक आदमी उठे और किसी को अगर व्यवस्था का प्रश्न उठाना हो फिर मैं उस पर अपनी रूलिंग